Title: Need to construct roads and bridges in the forest areas of Maharajganj District of Uttar Pradesh.

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश का महाराजगंज जनपद एक तरफ भारत नेपाल की सीमा को छूता है और तीन तरफ से वनों से आच्छादित है। इस जनपद को सोहगीबाबा वन्य प्रभाग क्षेत्र पशु-पक्षी विहार क्षेत्र घोाित किया जा चुका है और इस घोाणा के पश्चात् वन्य क्षेत्र से होकर जाने वाले सम्पर्क मार्ग और जो गांव हैं, वहां पर भारत सरकार उ.प्र. सरकार का जो वन विभाग है, वह सड़कों और पुलों के बनने की इजाजत न देकर एक तरह का ऐसा व्यवधान पैदा कर रहा है जिसके कारण हमारे निर्वाचन क्षेत्र के लोगों को आने जाने में दिक्कतें हो रही हैं। हम आपका ध्यान इस तरफ आकृट कराना चाहते हैं कि सोहगी बाबा जो एक तरह से नेपाल, भारत और बिहार के त्रिकोण पर स्थित है, गंडक नदी पार करके जहां जाना पड़ता है, उस क्षेत्र में सड़कों के निर्माण के लिए तीन वर्ाों से लोक निर्माण विभाग, महाराजगंज के पास एक करोड़ रुपये की धनराशि पड़ी हुई है लेकिन वन विभाग द्वारा एनओसी न दिये जाने के कारणâ€¦ (व्यवधान) यह कार्य रुका पड़ा है। इसी तरह से अड्डा बाजार से टेढी घाट और टेहड़ी घाट से चौक जाने वाले मार्ग पर स्थित चानकी घाट के पुल का निर्माण दो पाये खड़ा करके अधूरा पड़ा हुआ है। यहां पर भी वन विभाग द्वारा एनओसी न दिये जाने के कारण वह निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है, वह सड़क अधूरी पड़ी है। हम आपके माध्यम से सरकार से मांग करते हैं कि भारत सरकार एक केन्द्रीय दल वहां भेजे और वहां की भौगोलिक स्थिति का अध्ययन करे और उसके बाद जो ये व्यावहारिक कठिनाइयां हैं, उनको दूर करने के लिए भारत सरकार अपने मंत्रालय को निर्देश जारी करें कि वह एनओसी दे ताकि वन्य क्षेत्र से होकर गुजरने वाले सम्पर्क मार्गों पर पुलों और सड़कों का निर्माण कार्य कराया जा सके।â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.*(Interruptions) â€¦**

* Not recorded

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : उपाध्यक्ष जी, हम इसीलिए माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहते हैं कि वह अपना वक्तव्य दे दें।â€¦ (व्यवधान) वह यहां बैठे हुए हैं। अनंत कुमार जी इस पर कुछ कहना चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान) एक मिनट के लिए वह कुछ कहना चाहते हैं। आप जरा वन मंत्री जी से कह दें, यह गंभीर मामला है।â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I cannot compel them. If they want to respond, they can do so....(*Interruptions*)

कुंवर अखिलेश सिंह : उपाध्यक्ष जी, वहां विकास के कार्य रुके पड़े हैं और गांव के लोगों और वन विभाग के लोगों के बीच रोज टकराव पैदा हो रहा है और कहीं भयंकर टकराव हो जाएगा तो सैकड़ों लोग मर सकते है । भंयकर स्थिति पैदा हो सकती है ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: How can I compel them?... (*Interruptions*)

कुंवर अखिलेश सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, यह गंभीर मामला है। मैं इस पर आपका संरक्षण चाहता हूं।â€¦ (व्यवधान) मैं आपसे विनम्रता पूर्वक निवेदन करना चाहता हूं कि माननीय मंत्री जी बैठे हुए हैं,â€¦ (व्यवधान) आप चेयर से निर्देश दे दें कि एक मिनट के लिए वन मंत्री जी इस पर कुछ कह दें।â€¦ (व्यवधान) यह बड़ा गंभीर मामला है।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : शून्य काल में जो भी मामला उठाया जाता है, उस पर मंत्री जी रेस्पौंड करते हैं तो करें, हम उन्हें कम्पैल नहीं कर सकते हैं। मंत्री जी तो यहां काफी बैठे हुए हैं।â€¦ (व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : आप निर्देश दे देंगे तो इतनी देर में वह अपना स्पटीकरण दे देंगे।â€¦ (व्यवधान) यह हमारे निर्वाचन क्षेत्र का मामला है।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : वह रेस्पौंड करने के लिए तैयार नहीं हैं।

कुंवर अखिलेश सिंह : आप निर्देश दे दें।â€¦ (व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कुछ और भी माननीय सदस्य बोलने के लिए हैं। मैं आपको चांस इसीलिए नहीं देता हूं और देता हूं तो आप इसी तरह से दूसरे सदस्य का चांस बर्बाद करते हैं।â€¦ (व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : यह बड़ा गंभीर सवाल है।â€¦ (व्यवधान)लोगों के जन जीवन से जुडा है ।

उपाध्यक्ष महोदय : हर मामला यहां गंभीर ही होता है।â€¦ (व्यवधान)

THE MINISTER OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI T.R. BAALU): Sir, let the hon. Member write to me, I will look into the matter.